मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 15 जुलाई 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	15-07-14	16-07-14	17-07-14	18-07-14	19-07-14
वर्षा (मि.मी.)	0	10	2	3	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	37	36	36	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	23	24	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	7	5	5	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	62	76	78	73	72
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	35	44	56	51	47
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	16	21	20	18
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

आने वाले दिनों में वर्षा की सम्भावना को देखते हुऐ खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बीज व खाद की व्यवस्था कर लें जिससे वर्षा होते ही बिना देरी किए बुवाई की जा सके।

बाजरा :– आर.एच.बी 177, आई.सी.टी.पी. 8203, आर.एच.बी 121, आर.एच.बी 154, जी. एच.बी. 538, एच.एच.बी 67(इम्प्रूव्ड)

मूंग :– क 851, आर.एम.जी 62, आर.एम.जी 268, आर.एम.जी 344, एस.एम.एल 668

मोठ :– आर.एम.ओ 40, आर.एम.ओ 435, आर.एम.ओ 257, काजरी मोठ-2

ग्वार :– आर.जी.सी 936, आर.जी.सी 1002, आर.जी.सी 1003, आर.जी.सी 1017, आर.जी.एम 112

तिल :– आर टी 46, आर टी 125, आर टी 127, आर टी 346, आर टी 351 प्रमुख किस्मों की बुवाई करें।

बाजरे की बुवाई के लिये 4 किलो बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लेवें तथा कतार से कतार की दूरी 40–45 से.मी. रखे।

मूगं व ग्वार 16 और मोठ 12–16 किलो प्रति हैक्टेर की दर स बीज बुवाई के लिये काम में लेवें।

मूंग, मोठ व ग्वार की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए बीजों को स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (0.025 प्रतिशत) से उपचारित करके बुवाई करें।

दीमक व सफेद लट की रोकथाम हेतु खेत में बुवाई से पूर्व क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 कि.ग्र. प्रति हैक्टर की दर से मिलाएं।

वर्षा कालीन समय में होने वाली अगेती सब्जियों की क्यारीयों की तैयारी कर के बिजाई करं।

पशु चिकित्सक के परामर्श के अनुसार बरसात से पहले सभी पशुओं को कृमिनाशक औषधि पिलावें।